यूपीसीडा की इन परियोजनाओं में छह लाख से अधिक लोगों को मिलने लगेगा रोजगार

यूपी में इस साल 2500 औद्योगिक इकाइयों में चालू हो जाएगा उत्पादन

उपलब्धि

■ अजित खरे

लखनऊ। अगले एक साल में राज्य में 2500 से ज्यादा औद्योगिक इकाइयों में उत्पादन चालू हो जाएगा। यूपीसीडा ने अपने मौजूदा परियोजनाओं के काम में तेजी लाने की मुहिम शुरू की है।

असल में 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा के 3776 से ज्यादा निवेश परियोजनाओं का शिलान्यास चौथी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी में हो चुका है। वर्तमान में निवेश परियोजनाओं के लगने का काम अंतिम दौर में है। यूपीसीडा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 तक इन्हें पूरा करा वाणिज्यिक उत्पादन कराने की रणनीति बनाई है। इनमें एबी मौरी परियोजना पीलीभीत, सोम डिस्टलरी फर्रुखाबाद, लाजिस्टिक पार्क वाराणसी जैसी कई परियोजनाएं प्रमुख हैं। इसके लिए उद्यमी मित्रों का सहयोग लिया जा रहा है। यूपीसीडा द्वारा लगवाई जा रही निवेश परियोजनाओं में वर्ष 2020 से 2025 तक के बीच उत्पादन में चार गुना वृद्धि हुई है। इस दौरान उद्यमियों की 10 हजार से ज्यादा मामलों का गुणवत्तापूर्वक निस्तारण किया। औसत समय में चालीस प्रतिशत की कमी आई। आनलाइन आवेदनों की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है।

■ पिछली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में हुआ था डेढ़ लाख करोड़ की 3776 परियोजनाओं का शिलान्यास

> मुख्यमंत्री के वन ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य के अनुपालन में यूपीसीडा ने शिलान्यास वाली परियोजनाओं में वाणिज्यिक उत्पादन चालू कराने की मुहिम और तेज कर दी है।
>
> -मयूर माहेश्वरी, सीईओ यूपीसीडा

यूपी के विभिन्न हिस्सों में निवेश परियोजनाएं

निवेश	करोड़ रुपये	रोजगार प्रस्तावित	परियोजनाओं की संख्या
पश्चिमी यूपी	84365	2.04	2815
मध्य यूपी	20095	2.87	476
पूर्वांचल	35735	81196	374
बुंदेलखंड	10097	9187	111

56 % परियोजनाएं पश्चिम, 15 % मध्य यूपी, 26% पूर्वांचल में

इनका काम पूरा, कई में उत्पादन भी शुरू हुआ

गोरखपुर की केयान डिस्टिलरीज में इथेनॉल उत्पादन के लिए तैयार है। पेप्सिको की अधिकृत बॉटलर कंपनी वरुण बेवरेजेज के गोरखपुर संयंत्र में शीतल पेय और ऊर्जा पेय का उत्पादन पिछले साल ही शुरू हो गया। अयोध्या में कोका-कोला के प्रमुख बॉटलिंग पार्टनर एसएलएमजी बेवरेजेज के मौजूदा निर्माण सुविधा के विस्तार का पिछले महीने उद्घाटन हो गया। यह परियोजनाएं हरदोई, हमीरपुर, गोरखपुर, पीलीभीत, मथुरा, बाराबंकी, अलीगढ़ , देवरिया समेत कई जिलों में हैं। प्रस्तावित निवेश वाली परियोजनाओं में इसमें सर्वाधिक 56 प्रतिशत परियोजनाएं, पश्चिम में, 26 प्रतिशत पूर्वांचल में व 15 प्रतिशत मध्य यूपी में हैं।